

14  
7-10/11/15  
पटवारी

A-89  
Hindi

## न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

निग/3181/11/15

प्रकरण क्रमांक /2015 निगरानी

दिनांक 24.9.15 को  
श्री उदीय शिवलाल व पत्नी  
श्री सुकुमार /  
24.9.15

1. रजकू पत्नी स्व. श्री श्यामलाल आयु 60 वर्ष, व्यवसाय गृहकार्य
2. सोनू (नाबालिग) छटपरात रजकू
3. करण सिंह पुत्रगण गजराज सिंह नावा निग
4. हरीशचन्द्र पुत्र स्व. श्री श्यामलाल निवासीगण ग्राम डेरा चिरूला तह. व जिला दतिया (म.प्र.)

..... आवेदकगण

बनाम

श्रीमती गुडडी देवी पत्नी श्री गजराज सिंह निवासी- ग्राम डेरा चिरूला तह. व जिला दतिया (म.प्र.)

..... अनावेदिका

श्री.....  
द्वारा आज  
प्रस्तुत

ब्लॉक ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

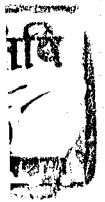
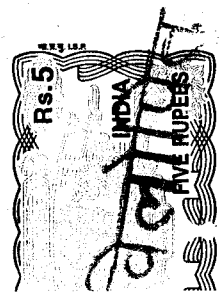
24/9/2015

**निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र.भू.संहिता 1959 विरुद्ध आदेश दिनांक 21.09.15 जिसे तहसीलदार दतिया ने अपने यहां के प्रकरण क्र. 86/अ-6/13-14 में पारित किया।**

माननीय महोदय,

आवेदकगणों की निगरानी निम्न तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत है :-

1. यहकि, तहसील न्यायालय में आवेदिका व अनावेदिका द्वारा धारा 110 एवं 109 म.प्र. भू.संहिता का एक आवेदन प्रस्तुत किया था जो वर्तमान में लम्बित है।
2. यहकि, उक्त प्रकरण में आवेदिका ने एक आवेदन पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया है कि पटवारी रिपोर्ट/प्रतिवेदन ने इस बात का उल्लेख किया है कि प्रकरण में पक्षकारों के संयोजन का दोष है इस कारण से उक्त आवेदन पत्र इसी स्टेज पर समाप्त किया जावे।
3. यहकि, विद्वान तेहसीलदार महोदय के उक्त आवेदन को निरस्त कर दिया माननीय न्यायालय में इससे व्यथित होकर आवेदकगण इस



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. वि.प्र. 3181-4/15 जिला दतिया

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
23.10.15	<p>प्रकरण में कागजी चर तक सुनने तथा नखी के अवलोकन के आधार पर यह पाता हूँ कि बिगराजार द्वारा यह बिगरानी एक लापरवाही पूर्ण तरीके से प्रस्तुत की गई है क्योंकि उन्होंने अपने बिगरानी मेमो के साथ तहसीलदार, दतिया के अधीक्षित आवेदन दि. 21.9.15 की ऐसी 'पूर्ण' प्रमाणीत धारि त्रकसंग कल की आवश्यकता नहीं समझी है जिस पर (दि. 21.9.15 की proceeding में) तहसीलदार को हस्ताक्षर हो, तथा इस दिनांक का प्रकरण प्रस्तुत होने और अभ्यपत्र अभिभाषक के साथ पक्षकार अधीक्षित होने के अतिरिक्त क्या हुआ, यह स्पष्ट होता है। इस संबंध में मैं बिगराजार के किडान अभिभाषक को भविष्य में सावधानी बरतने की हिदायत देता हूँ।</p> <p>इसके अतिरिक्त, नखी के अवलोकन से यह पाता हूँ कि दि. 18.9.15 को (जिस दिनांक की सुनवाई पत्रिका की प्रति वि. प्र. मेमो के साथ दी गई है) प्रकरण अगली पेशी दि. 21.9.15 के लिए अंतिम तक हल नियात हुआ है, एवं उसमें दि. 21.9.15 तक कोई अन्तिम आवेदन</p>	

M

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषका आदि के हस्ताक्षर
	<p>उपरोक्त क्राफ गण आशिल्ले घरे से परिशीलन के आधार पर) पब्लिश हुआ होगा परिलक्षित नहीं होता है। निगरान्वार राजकु आदि द्वारा दि-21-9-15 को जो अपेक्षा पत्र तहसीलदार को दिया जाना बताया जाकर उसकी प्रति निगरानी मेमों के साथ वी गई है, उसके संबंध में दि-21-9-15 को तहसील न्यायालय में गया हुआ, इन संबंध में आ स्थिति स्पष्ट करने के लिए तहसीलदार के किसी आदेश या उनकी अनुवृत्ति अपेक्षा पत्रिका की कोई प्रमाणित या अन्य प्रति इनके (निगरान्वार के) द्वारा <sup>नी</sup> वी गई है।</p> <p>ऐसे में, निगरानी दावा अस्पष्ट एवं और समुचित आधार सीलमन करने हुए प्राप्त हुआ होगा के कारण, इसी संदर्भ पर खारिज कर समाप्त किया जाता है <sup>नया संकाय</sup> जो न्यायालय का समय आदि नष्ट हुआ है, <sup>लिये रु. तीन सौ (300/-) जुमाना</sup> प्रमाणित <sup>जमाया जाता है।</sup></p> <p>दा. व. हो। पक्षकार सूचित हो।</p>	<p><i>[Signature]</i> 23.10.15 सदर</p>